(ii) अमरुक

Amruka

(iii) भर्तृहरि

Bhartrihari

(iv) विल्हण

Bilhana

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2114 **I**

Unique Paper Code : 2132101102

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All questions are compulsory.**
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

3. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए। अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए: (2×6=12)

Translate any two of the following verses:

(i) शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं

महीध्रादुत्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।

अधाऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तकोमथवा

विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।

महाकवि कालिदास की काव्य शैली पर प्रकाश डालिए ।

Discuss the poetic style of Mahakavi Kalidasa.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए । (15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए:

Write detail notes on any two of the following:

(i) जयदेव

Jayadeva

(ii) वनेचर- उक्ति के आधार पर दुर्योधन की शासन व्यवस्था का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Describe the governance (Shasana-Vyavastha) of Duryodhana in own words on the basis of the statement of Vanechara.

अथवा / OR

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement - 'भारवेरर्थगौरवम्'.

(iii) 'कुमारसम्भवम्' के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती का चरित्र चित्रण कीजिए।

Describe the character of Parvati according to the fifth canto of 'Kumarasambhavam'.

अथवा / OR

(ii) प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्रान्तरा-

त्समुद्रमपि सन्तरेत्प्रचलदूर्मिमालाकुलम्।

भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद्धारये-

न्न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्।।

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

(iv) कदाचिदासन्नसखीमुखेन सा मनोरथज्ञं पितरं मनस्विनी।

अयाचतारण्यनिवासमात्मनः फलोदयान्ताय तपः समाधये ।

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (2×9=18)

Explain with reference to the context of any two of the following:

(i) पुनर्ग्रहीतुं नियमस्थया तया द्वयेऽपि निक्षेप इवार्पितं द्वयम् ।

लतासु तन्वीषु विलासचेष्टितं विलोलकृष्टं हिरणाङ्गनासु च ।।

(ii) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये ।

स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे ।।

(iii) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि ।।

(iv) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः। सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं** एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए:

Explain any one of the following in Sanskrit:

(1×9=9)

(i) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

(ii) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।

(iii) न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×12=36)

Answer the following questions :

(i) 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' 'नीतिशतकम्' में वर्णित इस कथन के आलोक में 'मूर्खपद्धति' पर प्रकाश डालिए।

Discuss 'मूर्खपद्धति' पद the light of the statement. 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' depicted in 'Nitishatakam'.

अथवा / OR

'नीतिशतकम्' में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सर्वाधिक प्रासंगिक हैं वर्णन कीजिए।

Discuss that the moral education, depicted in 'Nitishatakam' is much relevant in present scenario.